

Daily Current Affairs

Date : 01 April, 2026



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान में पीएम ई-ड्राइव योजना
2.	ओपन सेंट्रल एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप
3.	राखी अटल
4.	रामनाथ गोयनका एक्सीलेंस इन जर्नलिज्म अवॉर्ड्स, 2026
5.	श्यामजी कृष्ण वर्मा (1857-1930)
6.	भारत ऊर्जा सांख्यिकी 2026
7.	भारत में उर्वरक क्षेत्र की स्थिति
8.	इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ECMS)
9.	अरब लीग
10.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) नियम, 2026
11.	भवसागर (Bhavasagara)
12.	कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उदय के प्रभाव पर रिपोर्ट

--:1:--



राजस्थान परिदृश्य



राजस्थान में पीएम ई-ड्राइव योजना



चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार ने राजस्थान में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए अक्षय ऊर्जा निगम को 81.12 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है।



PM E-DRIVE SCHEME



मुख्य बिन्दु:

- इसके तहत प्रदेश के 262 स्थानों पर कुल 591 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।
- योजना के अनुसार जयपुर में 112, अजमेर में 49, उदयपुर में 39 तथा कोटा में 28 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।
- इसके अतिरिक्त 34 चार्जिंग स्टेशन राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर स्थापित किए जाएंगे।

पीएम ई-ड्राइव योजना:

- **शुरुआत:** 1 अक्टूबर, 2024
- **उद्देश्य:** ईवी अपनाने की गति बढ़ाने के लिए सब्सिडी, चार्जिंग स्टेशन व टेस्टिंग एजेंसी सुविधा को आधुनिक बनाने के लिए।
- **कुल बजट:** 10900 करोड़
- इसने पुरानी फेम-II योजना की जगह ली है।

ओपन सेंट्रल एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप



मुख्य बिन्दु:

- 5वीं ओपन सेंट्रल एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप 31 मार्च से 5 अप्रैल तक ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में आयोजित की जाएगी।
- इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय पुरुष टीम में राजस्थान के लोकेन्द्र सिंह राठौड़ (दौसा), मान सिंह शेखावत (जयपुर), अश्लेश पंवार (जयपुर) व वीरभद्र सिंह (बाँसवाड़ा) शामिल है।

राखी अटल

चर्चा में क्यों?

- 25-26 मार्च को चंडीगढ़ में आयोजित 27वीं नेशनल डेफ सीनियर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जोधपुर की रहने वाली राखी अटल ने तीन पदक जीते।

मुख्य बिन्दु:

1. महिला एकल स्पर्धा : कांस्य
 2. महिला टीम स्पर्धा: रजत
 3. महिला युगल स्पर्धा: कांस्य
- इससे पहले उन्होंने 2022 में ब्राजील में आयोजित समर डेफलिंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया।



रामनाथ गोयनका एक्सीलेंस इन जर्नलिज्म अवॉर्ड्स, 2026

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान के अवधेश आकोदिया व विजयपाल डूडी को रामनाथ गोयनका एक्सीलेंस इन जर्नलिज्म अवार्ड, 2026 से सम्मानित किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- यह अवार्ड इंडियन एक्सप्रेस समूह के संस्थापक रामनाथ गोयनका की स्मृति में दिया जाता है।

अवधेश आकोदिया:

- श्रेणी:** हिन्दी में सर्वश्रेष्ठ रिपोर्टिंग।
- प्रमुख कार्य:** भारत, बांग्लादेश किडनी तस्करी रैकेट का खुलासा।
- अंग प्रत्यारोपण कानून की खामियाँ उजागर की।

विजयपाल डूडी:

- श्रेणी:** अनकवरिंग इंडिया इन विजिबल।
- प्रमुख कार्य:** आदिवासी बच्चों की खरीद फरोक्त उजागर की।
- बच्चों को निःसंतान दंपतियों को बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया।

इतिहास एवं संस्कृति

श्यामजी कृष्ण वर्मा (1857-1930)

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने श्यामजी कृष्ण वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।



मुख्य बिन्दु:

श्यामजी कृष्ण वर्मा:

- वे एक महान क्रांतिकारी पत्रकार और परोपकारी व्यक्ति थे।
- उनका जन्म मांडवी (गुजरात) में हुआ था।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने 1905 में इंडियन होमरूल सोसाइटी की स्थापना की। इसका उद्देश्य युवा भारतीयों को क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना था।
- उन्होंने लंदन में 'इंडिया हाउस' की स्थापना की। इसके साथ ही इसने लंदन में क्रांतिकारियों के प्रमुख केंद्र के रूप में भी कार्य किया।
- उन्होंने बॉम्बे आर्य समाज के पहले अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने विनायक दामोदर सावरकर जैसे प्रमुख क्रांतिकारियों को भी प्रभावित किया था।
- साहित्यिक कृति: 'द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट'-यह पत्रिका राष्ट्रवादी विचारों को बढ़ावा देती थी।

--:6:--

आर्थिक घटनाक्रम

भारत ऊर्जा सांख्यिकी 2026

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने 'भारत ऊर्जा सांख्यिकी 2026' जारी की है।



मुख्य बिन्दु:

भारत ऊर्जा सांख्यिकी 2026 रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

- कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति:** वित्तीय वर्ष 2024-25 में इसमें 2.95% की वृद्धि हुई है। यह लगभग 9.3 लाख किलो टन तेल समतुल्य तक पहुंच गई है।
- अक्षय ऊर्जा:** 31 मार्च, 2025 तक इसका उत्पादन लगभग 47 लाख मेगावाट है।
- शीर्ष 3 राज्य:** राजस्थान (23.70%), इसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात का स्थान है।
- सबसे बड़े घटक:** सौर ऊर्जा (लगभग 71%) शीर्ष पर है। इसके बाद पवन ऊर्जा और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं का स्थान आता है।
- कोयला अभी भी ऊर्जा का प्रमुख स्रोत बना हुआ है।**

भारत में उर्वरक क्षेत्रक की स्थिति

चर्चा में क्यों?

- भारत उर्वरकों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है। भारत यूरिया की मांग का लगभग 13-20% हिस्सा और DAP (डाईअमोनियम फॉस्फेट) की मांग का लगभग 60% आयात करता है।



मुख्य बिन्दु:

- खाड़ी क्षेत्र आयात का एक प्रमुख स्रोत बना हुआ है। यूरिया के 20-30% और DAP के 30% आयात इसी क्षेत्र से किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, यह क्षेत्र भारत के लगभग 50% LNG आयात की आपूर्ति भी करता है, जो यूरिया उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण फीडस्टॉक है।
- **आयात स्रोतों का विविधीकरण:** रूस, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, जॉर्डन, कनाडा, अल्जीरिया, मिस्र, फ़िनलैंड, टोगो जैसे देशों से आयात करने पर विचार किया जा रहा है।
- भारत वैश्विक स्तर पर उर्वरकों का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- यूरिया, DAP, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं पोटैश (NPKs) तथा सिंगल सुपर फॉस्फेट (SSP) सहित उर्वरकों का कुल घरेलू उत्पादन 2025 में बढ़कर 524.62 लाख टन हो गया है।

योजनाएँ एवं नीतियाँ

इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ECMS)

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने ECMS के तहत ₹7,104 करोड़ के 29 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी है।



मुख्य बिन्दु:

इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना:

- **शुभारंभ:** इसे केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 2025 में प्रारंभ किया गया था। (छह साल की अवधि (वित्तीय वर्ष 2026-2032) हेतु)
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत करना है। इसके तहत मूल्य श्रृंखला में वैश्विक और घरेलू निवेश को आकर्षित करके एक सुदृढ़ इलेक्ट्रॉनिक्स-घटक विनिर्माण प्रणाली विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।
- **लक्षित क्षेत्र:** यह उच्च-मूल्य वाले घटकों पर ध्यान केंद्रित करती है। उदाहरण के लिए, इसमें PCBs, कैमरा/डिस्प्ले मॉड्यूल और लिथियम-आयन सेल शामिल हैं।

--9--

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

अरब लीग

चर्चा में क्यों?

- अरब राज्यों के लीग की परिषद ने कई अरब देशों पर ईरान के हमलों की कड़ी निंदा की है।

मुख्य बिन्दु:

- अरब लीग, जिसे आधिकारिक तौर पर अरब राज्यों की लीग के नाम से जाना जाता है, की स्थापना 1945 में काहिरा में हुई थी।



- सात संस्थापक सदस्य देश: मिस्र, इराक, जॉर्डन, लेबनान, सऊदी अरब, सीरिया और यमन।

Daily Current Affairs

Date : 01 April, 2026



- वर्तमान में इसके 22 सदस्य देश हैं।
- सदस्य देश मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में स्थित हैं।
- लीग परिषद सर्वोच्च निकाय है और इसमें सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
- लीग बहुमत के आधार पर निर्णय लेती है, लेकिन सदस्यों को प्रस्तावों का पालन करने के लिए बाध्य करने का कोई तंत्र नहीं है।
- पर्यवेक्षक का दर्जा: ब्राजील, इरिट्रिया, भारत और वेनेजुएला।



-:11:-

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) नियम, 2026

चर्चा में क्यों?

- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) नियम, 2026 एक अप्रैल, 2026 से लागू होंगे। इन नियमों को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत अधिसूचित किया गया था।



मुख्य बिन्दु:

- SWM नियम, 2026 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) नियम, 2016' की जगह लागू होंगे।
- **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रमुख प्रावधान:**
- **अनिवार्य चार-स्तरीय पृथक्करण:** ठोस अपशिष्ट को इनके उत्पादन स्रोत पर ही अनिवार्य रूप से चार श्रेणियों में अलग-अलग किया जाएगा।
- **थोक अपशिष्ट उत्पादकों की जवाबदेही:** यदि अपशिष्ट उत्पादन के स्रोत पर अपशिष्ट का निस्तारण संभव नहीं हो तो विस्तारित थोक अपशिष्ट उत्पादक उत्तरदायित्व (EBWGR) के तहत इन्हें EBWGR प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा।

- **प्रदूषक द्वारा भुगतान सिद्धांत:** यह सिद्धांत नियमों के उल्लंघन और अपशिष्ट के अनुचित प्रबंधन पर लागू होगा।
- **केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल:** अपशिष्ट उत्पादन से लेकर निस्तारण तक पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए।
- **स्थानीय निकायों के कर्तव्य:** अपशिष्ट छंटाई केंद्रों के समन्वय में ठोस अपशिष्ट का संग्रह, पृथक्करण और परिवहन करने में।
- **लैंडफिल के उपयोग को सीमित करना:** लैंडफिल का उपयोग अब केवल ऐसे अपशिष्टों के लिए सख्ती से सीमित कर दिया गया है, जिन्हें न तो पुनर्चक्रित किया जा सकता है और न ही जिनसे ऊर्जा उत्पादन हो सकता है।

भारत में ठोस अपशिष्ट उत्पादन

- **वर्तमान स्थिति:** केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, 2023-24 में भारत में लगभग 1.85 लाख टन दैनिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न हुआ।
- इसमें से लगभग 61% का प्रसंस्करण होता है, जबकि शेष लैंडफिल में चला जाता है।
- **चुनौतियाँ:** अपशिष्ट उत्पादन के स्रोत पर उचित तरीके से संग्रहण और पृथक्करण का अभाव, निस्तारण हेतु भूमि की सीमित उपलब्धता, ई-अपशिष्ट का अनियंत्रित निपटान, स्थानीय निकायों के पास वित्तीय संसाधन कम होना, आदि।

समस्याएँ:

- मीथेन गैस का उत्सर्जन, जो वैश्विक तापवृद्धि तथा लैंडफिल में आग लगने और विस्फोट की घटनाओं का कारण बनती है।
- लीचेट (लैंडफिल से विषाक्त तरल पदार्थ का रिसाव) का जमीन में रिसना, जिससे भूजल प्रदूषित होता है।
- अपशिष्ट को खुले में जलाने से सूक्ष्म कणीय पदार्थ (PM) उत्सर्जित होते हैं। इससे स्मॉग बनता है और लोगों में सांस की गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं।

भवसागर (Bhavasagara)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 'भवसागर रेफरल सेंटर' को आधिकारिक तौर पर 'गहरे समुद्री जीवों के लिए राष्ट्रीय रिपॉजिटरी' का दर्जा दिया है।



Ministry of Environment, Forest & Climate Change

मुख्य बिन्दु:

- यह मान्यता जैव-विविधता अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत प्रदान की गई है।

भवसागर:

- यह कोच्चि (केरल) में 'सेंटर फॉर मरीन लिविंग रिसोर्स एंड इकोलॉजी' (CMLRE) में स्थित है।
- CMLRE केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत कार्य करता है।
- **उद्देश्य:** यह भारत की गहरे समुद्र की जैविक विरासत के संरक्षण, अध्ययन और दस्तावेजीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

Daily Current Affairs

Date : 01 April, 2026



- **महत्त्व:** यह भारत की "ब्लू इकोनॉमी" (नीली अर्थव्यवस्था) और समुद्री जैव विविधता फ्रेमवर्क को मजबूत करता है।

मुख्य दायित्व:

- **सुरक्षित संरक्षण:** जैविक नमूनों एवं DNA अनुक्रमों का भविष्य के वैज्ञानिक संदर्भ हेतु संरक्षण।
- **टाइप स्पेसिमेन का संरक्षण:** भारतीय जलक्षेत्र में खोजी गई गहरे समुद्र की नई प्रजातियों के आधिकारिक संरक्षक के रूप में कार्य करना।
- **क्षमता निर्माण:** गहरे समुद्र की प्रजातियों की वर्गिकी में विशेषज्ञता का विकास, ताकि संयुक्त राष्ट्र महासागर विज्ञान दशक (2021-2030) के अनुरूप प्रगति हो सके।
- **गहरे समुद्र की जीव-जंतुओं की स्थिति:** भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के अनुसार 2021 तक भारत में गहरे समुद्र की 4,371 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें 1,032 प्रजातियाँ प्रोटिस्टा तथा 3,339 प्रजातियाँ ऐनिमेलिया वर्ग के अंतर्गत आती हैं।

--:15:--

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी ⚠

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उदय के प्रभाव पर रिपोर्ट

📢 चर्चा में क्यों?

- संसदीय स्थायी समिति ने 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उदय के प्रभाव' पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है।



📌 मुख्य बिन्दु:

- संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी (ICT) संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 27वीं रिपोर्ट (2025-26) में निम्नलिखित बिंदुओं को रेखांकित किया है:

--:16::--

AI क्षेत्रक में विश्व में भारत की स्थिति:

- **स्थान:** भारत 'टॉरटॉइस ग्लोबल AI इंडेक्स' में 10वें स्थान और 'स्टैनफोर्ड AI इंडेक्स' में चौथे स्थान पर है।
- **कौशल विकास का प्रसार:** AI से संबंधित कौशल प्रसार में भारत विश्व में प्रथम स्थान पर है।
- **कार्यबल का विकास:** AI के कारण 2027 तक प्रौद्योगिकी से जुड़ी लगभग 47 लाख नई नौकरियाँ उत्पन्न होने की संभावना है, और 2030 तक लगभग 3.8 करोड़ मौजूदा नौकरियों का स्वरूप बदल जाएगा।
- **डिजिटल अवसंरचना:** भारत में विश्व के सबसे अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता (90 करोड़ से अधिक) हैं। साथ ही AI विषय पर वैज्ञानिक प्रकाशनों तथा ICT सेवा निर्यात में प्रथम स्थान है।

भारत में AI अपनाने की चुनौतियां:

- हाई-परफॉरमेंस कंप्यूटिंग अवसंरचना की कमी,
- स्पष्ट और गुणवत्तापूर्ण डेटा सेट तक सीमित पहुँच,
- जमीनी स्तर पर तकनीकी कौशल की कमी।
- **क्षेत्रक विशेष की चुनौतियां:** उदाहरण के लिए—कृषि क्षेत्रक में AI का उपयोग अभी बहुत कम है, और इसके कई कारण हैं:
 - शुरुआत में उच्च लागत,
 - गांवों में तेज इंटरनेट की कमी,
 - स्थानीय भाषाओं/बोलियों में टूल्स की कमी;
 - AI कैसे कार्य करता है यह स्पष्ट नहीं होने के कारण किसानों को इसकी सलाह पर पूरा भरोसा नहीं होता।

- **साइबर सुरक्षा:** डीपफेक, बाल यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार वाले कंटेंट का निर्माण, वित्तीय अपराधों के लिए म्यूल अकाउंट का उपयोग आदि में AI का दुरुपयोग किया जा रहा है।
- **रक्षा क्षेत्रक में जोखिम:** प्राणघातक स्वचालित हथियार प्रणाली और AI आधारित निर्णय प्रणाली से अनपेक्षित घातक परिणामों का जोखिम बढ़ता है।

समिति की प्रमुख सिफारिशें

- **AI के व्यापक विषयों को शामिल करने वाला कानून और IT नियम लागू करना:** जैसे कि- कृत्रिम यानी AI के उपयोग से तैयार कंटेंट की लेबलिंग; महिलाओं और बच्चों जैसे संवेदनशील समूहों की सुरक्षा हेतु कुछ सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर आयु-सीमा निर्धारित करना।

इंडिया AI मिशन को तेजी से लागू करना

- **साइबर अपराध रोकथाम व्यवस्था को मजबूत करना ('सुरक्षिणी'):** यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें ऑटोमेटेड हैश-मैचिंग सिस्टम का उपयोग किया जाता है।

अन्य उपाय:

- **वित्तीय धोखाधड़ी पर नियंत्रण:** जैसे—म्यूल अकाउंट की पहचान के लिए अत्याधुनिक AI तकनीक का उपयोग करना चाहिए।
- **रक्षा क्षेत्रक में सुरक्षा उपाय:** हथियारों में AI की स्वायत्तता कितनी होगी, इसके लिए स्पष्ट परिभाषाएं और सीमाएँ तय की जानी चाहिए। यह सुनिश्चित करना कि इन पर मानव का नियंत्रण हमेशा बना रहे।